अधिक आय हेतु टमाटर की संरक्षित खेती

- लोकप्रिय सब्जी, वर्ष भर मांग
- खुले क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं की वजह से उत्पादन पर विपरीत प्रभाव
- राजस्थान में उत्पादकता काफी कम (4.1 टन प्रति हेक्टेयर, देश का औसत 24 टन प्रति हेक्टेयर)
- खुले क्षेत्र में 1 कि. ग्रा. उत्पादन हेतु अधिक (300 लीटर) पानी की आवश्यकता

संरक्षित खेती- लाभ

- संरक्षित संरचनाएं अनुकूल परिस्थितियां प्रदान करती हैं और इस प्रकार वर्षभर की खेती संभव हो पाती है।
- बिन मौसम (ऑफ–सीजन) उत्पादन के कारण अधिक लाभ, फल उपज और गुणवत्ता में वृद्धि।
- भूमि, जल और पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग।
- फल–उत्पादन की दृष्टि से बेहतर संरचना का क्रमः फैन–पैड पॉलीहाउस इसके बाद प्राकृतिक रूप से हवादार पॉलीहाउस, कीट रोधी नेट हाउस तथा छायादार नेट हाउस।
- उपयुक्त संकर किस्मेंः एनएस–4266, अभिरंग, बीएस–600
- उपज 10 से 18 कि.ग्रा. प्रति वर्ग मीटर (5–6 माह की फसल अवधिः सितंबर से मार्च या जनवरी से मई)
- पॉलीहाउस में 45 से 50 लीटर पानी से 1 कि.ग्रा. फल उत्पादन हो सकता है
- पौधों के झुकाव (लोवरिंग), द्वि–शाखीय तने (डबल स्टेम) ट्रेनिंग, और कठोर मूलवृंत पर ग्राफ्टिंग (कलम) से टमाटर की पैदावार को और बढ़ा सकते हैं।

चेरी टमाटर

योगदानः **प्रदीप कुमार**

भाकृअनुप–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर 342 003 (भारत)

www.cazri.res.in

काजरी फैक्टशीटः 2021

CAZRI®

Enhancing resilience of arid lands